No. of Printed Pages : 8

BPYC–132

BACHELOR OF ARTS (GENERAL)

PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

June, 2025

BPYC–132 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Attempt all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Discuss the nature of ethics. What is the significance of studying ethics ? 20

Or

Discuss moral relativism with its different types.

2. Critically examine consequentialist ethics. 20

Or

What is Natural Moral Law ? How is it related to universality ?

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) What are the primary features of Kant's deontological ethics ? 10

   (b) Examine the virtue ethics of Aristotle. 10

   (c) Discuss the views of Socrates on virtue and knowledge. 10

   (d) Examine the significance of emotivism in moral philosophy. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) How are morality and reason related ? 5

   (b) Give an outline of David Hume's views on ethical subjectivism. 5

   (c) What is the difference between normative ethics and metaethics ? 5

   (d) What is a naturalistic fallacy ? 5

   (e) Give a brief description of Intuitionism. 5

   (f) Describe the nature of teleological theory of ethics. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

   (a) Divine command theory 4

   (b) Plato's Cardinal virtues 4

(c) Prescriptivism 4

(d) Dharma 4

(e) Ethical Non-Naturalism 4

(f) Act and Rule utilitarianism 4

(g) Jaina Ethics 4

(h) Categorical Imperative 4

BPYC–132

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.पी.वाई.सी.-132 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** व **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. नीतिशास्त्र की प्रकृति की चर्चा कीजिए। नीतिशास्त्र के अध्ययन का क्या महत्व है ? 20

अथवा

नैतिक सापेक्षतावाद और इसके विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

2. परिणामवादी नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

प्राकृतिक नैतिक नियम क्या है ? यह सार्वभौमिकता से कैसे सम्बन्धित है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) काण्ट के कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? 10

(ब) अरस्तू के सद्‌गुण नीतिशास्त्र का परीक्षण कीजिए। 10

(स) सद्‌गुण और ज्ञान पर सुकरात के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 10

(द) नैतिक दर्शन में संवेगवाद के महत्व का परीक्षण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए :

(अ) नैतिकता और तर्क कैसे सम्बन्धित हैं ? 5

(ब) नैतिक व्यक्तिनिष्ठवाद पर डेविड ह्यूम के विचारों की रूपरेखा दीजिए। 5

(स) नियामक नीतिशास्त्र और अधिनीतिशास्त्र में क्या अन्तर है ? 5

(द) प्राकृतिक दोष क्या है ? 5

(य) अन्त:प्रज्ञावाद का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(र) नीतिशास्त्र के उद्देश्यपरक सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100–100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) दैवी आदेश सिद्धान्त 4

(ब) प्लेटो के मुख्य सद्‌गुण 4

(स) परामर्शवाद 4

(द) धर्म 4

(य) नैतिक गैर-प्रकृतिवाद 4

(र) कर्म और नियम उपयोगितावाद 4

(ल) जैन नीतिशास्त्र 4

(व) निरपेक्ष आदेश 4

× × × × ×